

देवमूर्ति रंगने के काम आता है, ईंगुर, शिंगरफ
2. सिंदूर।

हीचना स.क्रि. (देश.) खींचना, ऐंचना।

हीछ स्त्री. (तद्.) इच्छा, कामना।

हीछना अ.क्रि. (तद्.) इच्छा करना, चाहना।

हीजड़ा पुं. (अर.) नपुंसक, किन्नर।

हीठी स्त्री. (देश.) एक प्रकार की जोंक।

हीडना अ.क्रि. (तद्.) घूमना-फिरना, चलना स.क्रि.
ढूँढना, खोजना।

हीडल पुं. (तद्. हिंदोल) झूला, हिंडोला।

हीस स्त्री. (तद्.) 1. घोड़े की हिनहिनाहट 2. गधे
की रेंकने की ध्वनि (देश.) सफेद फूलों वाला एक
पौधा।

हीसना अ.क्रि. (तद्.) 1. हिनहिनाना 2. रेंकना।

हीसा पुं. (देश.) हीस के पौधे पर लगने वाले लाल
रंग के छोटे, गोल फल।

ही-ही स्त्री. (अनु.) तुच्छता से या धृष्टतापूर्वक
हँसने की ध्वनि।

ही अव्य. (देश.) वाक्य के किसी पद विशेष पर
बल देने के लिए निश्चय, परिमाण/मात्र की
सीमा, स्वीकृति आदि का सूचक निपात जैसे-
कार्यक्रम में रमेश ही जाएगा; मोहन तो जाएगा
ही टि. कुछ सर्वनाम, विशेषण या क्रियाविशेषण
शब्दों के साथ 'ही' मिल जाता है जैसे-
वह+ही=वही, अब+ही=अभी, सब+ही=सभी आदि।

हीअ पुं. (तद्.) हृदय, मन।

हीक स्त्री. (देश.) दुर्गंध, बदबू।

हीचना अ.क्रि. (देश.) हिचकना।

हीछ स्त्री. (तद्.) इच्छा, कामना।

हीछना अ.क्रि. (तद्.) इच्छा करना, चाहना।

हीज पुं. (अर.) 1. नपुंसक, किन्नर 2. आलसी।

हीजड़ा पुं. (अर.) नपुंसक, किन्नर, नामर्द।

हीठना अ.क्रि. (तद्.) पास जाना, पहुँचना, घुसना,
प्रवेश करना।

हीड़ स्त्री. (देश.) बुंदेलखंड, राजस्थान, मालवा आदि
प्रदेशों में दिवाली के अवसर पर गाया जाने
वाला काव्य।

हीतल पुं. (तद्.) हृदय, मन।

हीन वि. (तत्.) 1. बुरा जैसे- दीन हीन स्थिति 2.
क्षुद्र, अधम जैसे- हीन कुल 3. तुलना में घटिया
4. कम मूल्य/वजन/महत्व का 5. (समास में)
रहित जैसे- हीनबुद्धि या बुद्धिहीन।

हीनक वि. (तत्.) वंचित या रहित।

हीनक मनोग्रंथि स्त्री. (तत्.) मन में होने वाली
हीनता की ग्रंथि। inferiority complex

हीनकर्मा वि. (तत्.) 1. नीच कर्म करने वाला, पापी
2. पूजा-पाठ इत्यादि धार्मिक कृत्य न करने
वाला।

हीनकुल वि. (तत्.) अधम या नीच कुल में उत्पन्न।

हीनग्रंथि दे. हीनक, मनोग्रंथि।

हीन-चरित्र वि. (तत्.) दुश्चरित्र, बुरे चरित्र वाला।

हीनच्छिंदिक पुं. (तत्.) वह संघ या श्रेणी जो कुल,
मानमर्यादा में अन्यो से कम हो।

हीनता स्त्री. (तत्.) हीन होने का भाव या स्थिति
दे. हीन।

हीनत्व पुं. (तत्.) हीनता, दे. हीन।

हीन-पक्ष पुं. (तत्.) वादविवाद, शास्त्रार्थ, प्रतियोगिता
आदि में कमजोर पक्ष।

हीन-बल वि. (तत्.) कम शक्ति वाला, दुर्बल।

हीन-बुद्धि वि. (तत्.) कम बुद्धिवाला, बुद्धिहीन,
मूर्ख, जड़, निकृष्ट विचार वाला।

हीन-भावना स्त्री. (तत्.) 1. निकृष्ट भावना 2.
ऐसी भावना कि मैं सभी से हीन या तुच्छ हूँ,
हीन-ग्रंथि।

हीनयान पुं. (तत्.) 1. निकृष्ट मार्ग 2. बौद्ध
संप्रदाय के दो प्रमुख पंथों में से एक जिनके
मतानुसार भिक्षु का उद्देश्य केवल निर्वाण-प्राप्ति
होना चाहिए और उसे अष्टांग-मार्ग का ही